



# बिहार बिटी चीफ

11 साल से थी तलाश...

## आधा दर्जन से अधिक मामलों में वांछित हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार



बिहार के अति नक्सल प्रभावित औरंगाबाद जिले में मोस्ट वांटेड माओवादियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में पुलिस ने 11 साल से वांछित एक हार्डकोर नक्सली को गिरफ्तार किया है। औरंगाबाद के कासमा थाना पुलिस ने उसे माओवादियों चाल्हो जोन में चाल्हों पहाड़ की तलहट्टी में स्थित जगरूप बिगहा से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली नक्सली तपेश्वर भुईयां उर्फ कपिल भुईयां कासमा थाना के दुगुल टोले जगरूप बिगहा का निवासी है। ऐसे हुई गिरफ्तारी: औरंगाबाद सदर के अनुमंडल पुलिस

पदाधिकारी (एसडीपीओ)-2 अमित कुमार ने बुधवार की शाम मदनपुर में प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस की टीम हार्डकोर नक्सली तपेश्वर भुईयां उर्फ कपिल भुईयां को गिरफ्तार करने के लिए लगातार प्रयासरत थी। इस बीच कासमा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वह अपने गांव जगरूप बिगहा के पास देखा गया है। तत्काल इसकी जानकारी कासमा थानाध्यक्ष ने औरंगाबाद पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल को दी। सूचना मिलते ही एसपी ने कासमा थानाध्यक्ष को एक विशेष टीम गठित कर फौरन छापामारी करने

का निर्देश दिया। निर्देश मिलते ही कासमा थाना अध्यक्ष इमरान आलम के नेतृत्व में छापामारी के लिए एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने फौरन मौके पर जाकर छापामारी की और हार्डकोर नक्सली को धर दबोचा। **आधा दर्जन से अधिक मामलों में था वांछित** उन्होंने बताया कि हार्डकोर नक्सली कपिल भुईयां कासमा थानाक्षेत्र के दुगुल टोले जगरूप बिगहा के रहने वाला है। वह आधा दर्जन से अधिक नक्सली कांडों में शामिल रहा है। उस पर कासमा थाना में कांड संख्या-14/14, 22/90, खुदवां थाना में कांड संख्या

12/13, 47/13, सलैया थाना में कांड संख्या 10/14, 34/14 और मदनपुर थाना में कांड संख्या 40/2000 दर्ज है। इन मामलों में संलिप्तता को लेकर पुलिस उसे सरगर्मी से तलाश रही थी। पुलिस की टीम में ये रहे शामिल पुलिस की छापामारी टीम में कासमा थानाध्यक्ष इमरान आलम, कासमा थाना के एसआई राजीव कुमार, ललन प्रसाद यादव, एसआई अरुण कुमार सिंह, पीटीसी उपेंद्र महंत, सिपाही मनीष कुमार, राज निगम कुमार, गोविंद सिंह कुशवाहा, दिवाकर ठाकुर, उपेंद्र कुमार, गुड्डू कुमार और ओमप्रकाश पासवान शामिल रहे।

## छपरा से अपराधी को लेकर गोपालगंज आ रही थी DIU की टीम

रास्ते में कंटेनर से भीड़ गयी गाड़ी

**गोपालगंज.** बिहार के सारण से अपराधी को पकड़कर गोपालगंज लौट रही डीआइयू (डिस्ट्रिक्ट इंटेलिजेंस यूनिट) की वाहन ने एनएच-27 पर खड़ी ट्रक में टक्कर मार दी. हादसे में इंस्पेक्टर और एक अपराधी समेत पांच पुलिसकर्मी जखमी हो गये. घटना नगर थाना क्षेत्र के अरार मोड़ के पास की है. आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया. घायलों में एक इंस्पेक्टर को सीने में अधिक चोट लगने की वजह से रेफर करने की तैयारी में डॉक्टर जुटे हुए थे.

बताया जा रहा है कि बुधवार की शाम में डीआइयू की टीम सारण



के रिवीलगंज थाने के दिग्वारा इलाके से पंकज कुमार सिंह नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर गोपालगंज लेकर आ रही थी. नगर थाना क्षेत्र के अरार मोड़ के पास पहुंचते ही एनएच-27 पर खड़ी कंटेनर में डीआइयू की

वाहन ने टक्कर मार दी. हादसे में वाहन क्षतिग्रस्त हो गयी. वाहन में सवार डीआइयू के इंस्पेक्टर दिनेश कुमार यादव, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, दर्पण सुमन, आरोपी पंकज कुमार सिंह समेत पांच लोग घायल हो गये.

**स्कन्ने ली मामले की जानकारी** हादसा होने के बाद पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित को इसकी जानकारी दी. उन्होंने मामले तुरंत पुलिस लाइन के डीएसपी सुबोध कुमार को मौके पर भेजकर घायलों के इलाज के बारे में जानकारी ली. काफी देर तक डीएसपी अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों और आरोपी की इलाज में जुटे रहें. वहीं, डॉक्टरों का कहना था कि सभी पुलिसकर्मी और घायल लोगों की हालत खतरे से बाहर है. इंस्पेक्टर दिनेश कुमार यादव को सीने में चोट लगी थी, जिससे सांस लेने में उन्हें तकलीफ हो रही थी. फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है.

**सिवान।** बिहार के सिवान में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। जिले के एसपी अमितेश कुमार ने इसकी पुष्टि की है। इससे पहले बुधवार को सात लोगों की मौत हुई थी जबकि कुछ लोगों के आंख की रोशनी चली गई थी। वहीं, छपरा में भी जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। सिवान और छपरा में जहरीली शराब पीने से कुल 24 लोगों की जान गई है।

**छपरा में तीन लोग गिरफ्तार, 8 के खिलाफ केस दर्ज** वहीं, छपरा के पुलिस अधीक्षक कुमार आशीष ने बताया कि इसकी जांच के लिए विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही स्थानीय चौकीदार और पंचायत बॉट पुलिस अधिकारियों को भी निर्लांबित कर दिया गया है। विभागीय कार्रवाई के तहत मशरक थाना के प्रभारी एवं मशरक क्षेत्र



के एएलटीएफ प्रभारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिलाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता के अनुसार, भगवानपुर थानेदार और भगवानपुर थाने के एसएसआई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। **आरजेडी ने सरकार पर बोला हमला** जहरीली शराब पीने से 20 लोगों की मौत को लेकर विपक्ष ने सरकार की आलोचना की है। आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी का कहना है कि जहरीली शराब पीने

से लोगों की जान गई है। यह बहुत दुखद और चिंता का विषय है कि शराबबंदी कानून होने के बावजूद बिहार में जहरीली शराब हर बार देखने को मिलती है कि किस तरह जहरीली शराब से लोगों की मौत होती है। तृजय तिवारी ने आरोप लगाया कि शराब माफियाओं को सरकार का संरक्षण है और जब तक उन्हें सरकार का संरक्षण है, शराबबंदी लागू है कानून का इसी तरह उल्लंघन होगा। एनडीए सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है।

## राजद के विधायक से मांगी 25 लाख की रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की दी धमकी

**सीतामढ़ी।** सीतामढ़ी जिले के बाजपट्टी विधायक मुकेश कुमार यादव से मोबाइल के जरिए 25 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। वही, रंगदारी न देने पर विधायक तथा उनके निजी सचिव और इन लोगों के परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को कटिहार जिला के फल्का थाना गांव सौहथा से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक की पहचान गोपाल झा के पुत्र रघुवंश कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल भी बरामद किया है।

**आरोपी कटिहार से गिरफ्तार**

इस संबंध में नानपुर थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि विधायक मुकेश कुमार यादव के मोबाइल नंबर 9471230325 पर मंगलवार की रात 7 बजकर 50 मिनट में 08709193240 पर वॉट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने उनसे 25 लाख की रंगदारी मांगी। विधायक का यह मोबाइल निजी सचिव अभिराम पांडे के पास रहता है।

पूछने पर विधायक ने कहा कि वह अभी



पारिवारिक कार्य से बिहार से बाहर हैं। उसके बावजूद उनसे 25 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। नहीं देने पर उन्हें और उनके सचिव को जान से मारने की धमकी भी दी। फिलहाल सीतामढ़ी की

पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और उसे सीतामढ़ी लाया जा रहा है। घटना के बाद से विधायक और उनके निजी सचिव के परिवार में भय बना हुआ था।

## भाकपा माले ने शुरू की ‘बदलो बिहार-न्याय यात्रा दीपांकर भट्टाचार्य ने नीतीश सरकार पर साधा निशाना

**पटना।** बिहार में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)-मार्क्सवादी लेनिनवादी (माले) ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की कई मोर्चों पर कथित विफलताओं के खिलाफ बुधवार को रायब्यापी ‘बदलो बिहार-न्याय यात्रा शुरू की। भाकपा माले विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया का एक घटक दल है।

भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने नवादा में एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, बदलो बिहार-न्याय यात्रा भूमिहीनों के लिए पक्के मकान, किसानों के लिए

एमएसपी, युवाओं के लिए रोजगार, ग्रामीण विकास, भारतीय संविधान और लोकतंत्र को बनाए रखने के साथ-साथ अन्य मांगों को लेकर शुरू की गई है। ‘बदलो बिहार-न्याय यात्रा 25 अक्टूबर तक जारी रहेगी। भट्टाचार्य ने कहा, शहर और कस्बे के सभी निवासियों को किफायती आवास, पीने योग्य पानी, स्वच्छता सुविधाएं और नागरिक सुविधाओं तक समान पहुंच होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना होनी चाहिए और उसके आधार पर आरक्षण का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में जारी भूमि सर्वेक्षण नीतीश कुमार सरकार द्वारा गरीबों को उनकी

जमीन से बेदखल करने का एक प्रयास है।

भट्टाचार्य ने सत्तारूढ़ सरकार पर आरोप लगाया कि राय सरकार उन गरीबों को निशाना बना रही है जो पीढ़ियों से अपनी जमीन पर रह रहे हैं। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि इस प्रक्रिया को तुरंत बंद किया जाए और अगली बार जब भी सरकार इसे शुरू करने की योजना बनाएगी, तो उसे पहले गरीबों को यह गारंटी देनी होगी कि प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें जमीन मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिहार सरकार को राय के लोगों की समस्याओं की कोई चिंता नहीं है।

## दिन में 59 मोबाइल के साथ चोर को पकड़ा, रात में फंदे से लटका मिला इंस्पेक्टर कुंदन का शव, मर्डर की आशंका



बिहार के सीतामढ़ी में एक पुलिसकर्मी की आत्महत्या से सनसनी मची हुई है। यहां सीतामढ़ी के बैरगनिया थाना प्रभारी का शव उनके सरकारी आवास पर फंदे से लटका हुआ मिला। पहली नजर में यह मामला आत्महत्या का लगता है, लेकिन उनके करीबियों ने मर्डर की आशंका जाहिर की है। पुलिसकर्मी इस घटना से काफी दुखी और हैरान हैं। बिहार पुलिस के 2009 बैच के इंस्पेक्टर कुंदन कुमार वर्तमान में सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया थाना के थानाध्यक्ष के पद पर तैनात थे। बुधवार की रात अपने थाना परिसर स्थित सरकारी आवास में उनका शव फंदे से लटका हुआ मिला। उन्होंने गमछे का इस्तेमाल कर फांसी लगाई थी। इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है। घटना के बाद सीतामढ़ी जिले के एसपी मनोज कुमार तिवारी डीएसपी राम कृष्ण सहित

वरीय पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए है। **जांच के बाद ही पता चलेगी असली वजह** किन परिस्थितियों में बैरगनिया थाना प्रभारी की मौत हुई है। इसको लेकर सदर डीएसपी रामकृष्ण ने बताया कि जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा। अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। आपको बता दे की पूर्व में कुंदन कुमार मुजफ्फरपुर में सदर थानेदार के पद पर थे। वहां से ट्रांसफर होकर सीतामढ़ी आए थे। इंस्पेक्टर कुंदन कुमार के मौत की सूचना मिलने के बाद सवाल भी उठ रहे हैं, क्योंकि कुंदन कुमार का शरीर जहां झूल रहा है, वहां उनके दोनों पैर जमीन पर टिके हुए हैं। आमतौर पर जब कोई पुलिस पदाधिकारी सुसाइड करता है तो उसके पास सरकारी पिस्टल होती है और वह अगर डिप्रेशन में आता तो वह अपने पिस्तौल का उपयोग आत्महत्या में करता

है। ऐसे थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर कुंदन कुमार द्वारा गमछे का फंदा लगाकर आत्महत्या करना नशीय पुलिस पदाधिकारी को भी नहीं पच रहा। **सुसाइड से पहले पकड़े 59 फोन** मौके पर एफएसएल की टीम पहुंचे है घटना की सूचना थाना प्रभारी के परिजनों को दिखे इसके बाद उनके परिवार वाले भी बैरगनिया पहुंच गए हैं । सीतामढ़ी एसपी मनोज कुमार तिवारी भी मौके पर पहुंच गए हैं उनके साथ काम करने वाले पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुंदन कुमार काफी जांबाज और हिम्मत वाले थे आज दिन में भी उन्होंने एक कार्रवाई को अंजाम देते हुए चोरी की 59 मोबाइल के साथ एक चोर को गिरफ्तार किया था ऐसे में अचानक उनका सुसाइड कर लेना कई सवालों को जन्म देता है।